

#### असाधारण

### **EXTRAORDINARY**

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1187] No. 1187] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 13, 2016/वैशाख 23, 1938

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 13, 2016/VAISAKHA 23, 1938

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(उच्चतर शिक्षा विभाग)

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 मई, 2016

का.आ. 1756(अ).—केन्द्रीय सरकार ने जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-II, खण्ड-3, उप-खंड (ii) में तारीख 2 फरवरी, 2016 को प्रकाशित भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 325(अ) तारीख 02 फरवरी, 2016 के अधीन श्री चक्रवर्ती आर. वेमुला, हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोध विद्वान की मृत्यु का कारण बने तथ्यों और परिस्थितियों की जांच करने; चूक, यदि कोई हों, के लिए उत्तरदायित्व नियत करने; विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विद्यमान शिकायत निवारण तंत्र की समीक्षा करने और सुधार संबंधी सुझाव देने हेतु नियुक्ति की तारीख से तीन मास के भीतर केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए न्यायमूर्ति अशोक कुमार रूपानवाल (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में एक जांच आयोग नियुक्त किया था।

और आयोग ने हैदराबाद में अपनी बैठकें कीं और बड़ी संख्या में हितधारकों से प्राप्त बहुत सारे अभ्यावेदनों का परीक्षण करने के लिए सभी हितधारकों से मुलाकात की, आयोग को मामले का गहराई से परीक्षण करने और निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए तीन मास के और समय की आवश्यकता है।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, न्यायमूर्ति अशोक कुमार रूपानवाल (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में गठित जांच आयोग के कार्यकाल को 02 मई, 2016 से 01 अगस्त, 2016 तक अर्थात् 03 मास की अविध के लिए और विस्तार करती है।

[फा. सं. 7-5/2016-डेस्क यू]

सुखबीर सिंह संधु, संयुक्त सचिव

2432 GI/2016 (1)

## MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

# (Department of Higher Education)

### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th May, 2016

**S.O. 1756(E).**—whereas, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government vide notification of the Government of India in the Ministry of Human Resource Development, No. SO 325(E), dated the 2<sup>nd</sup> February, 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 2<sup>nd</sup> February, 2016, appointed a Commission of Inquiry consisting of Justice Ashok Kumar Roopanwal (Retd.) to enquire into the facts and circumstances leading to the death of Shri Chakravarti R. Vemula, a research scholar of University of Hyderabad; to fix the responsibility for lapses, if any; to review the existing grievance redressal mechanism for students at the University; and to suggest improvements and to submit its report to the Central Government within three months from the date on which it is appointed;

And whereas, the Commission held its sitting at Hyderabad and met all the stakeholders and for examining the voluminous representations received from the large number of stakeholders, the Commission requires three months more time for examination in depth and to draw a conclusion;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby extends the term of Commission of Inquiry consisting of Justice Ashok Kumar Roopanwal (Retd.) for a further period of three months with effect from the 2<sup>nd</sup> day of May, 2016 to 1<sup>st</sup> day of August, 2016.

[F. No. 7-5/2016-Desk U]

SUKHBIR SINGH SANDHU, Jt. Secy.